विश्व बैंक

समाचार प्रकाशन संख्या 2006/एस०ए०आर०

सम्पर्क
दिल्ली में
सुदीप मजूमदार
(91 11)2461-7241
smozumder@worldbank.org
वाशिंगटन में
एरिक नोरा
(202) 458-4735
enora@worldbank.org

विश्व बैंक द्वारा भारत के पॉवर सिस्टम को 400 मिलियन अमरीकी डॉलर की सहायता

वाशिंगटन, 19 जनवरी, 2005 - विश्व बैंक ने आज, भारत सरकार की गारण्टी पर, पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इण्डिया को 400 मिलियन अमरीकी डॉलर के ऋण की स्वीकृति प्रदान की । पावर सिस्टम विकास परियोजना देश के क्षेत्रों तथा राज्यों के बीच विश्वसनीय पॉवर विनियम में वृद्धि के उद्देश्य से भारत की संचारण प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु तैयार की गयी है।

उच्च एवं पोषणीय आर्थिक विकास तथा निर्धनता कम करने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारत सरकार ने पावर क्षेत्र की पहचान महत्वपूर्ण तत्व के रूप में की है। तथापि चरम समय पर 12.1 प्रतिशत की पॉवर अल्पता से, वर्तमान में यह क्षेत्र इन लक्ष्यों के समर्थन के लिए अपर्याप्त है, और 2012 तक बिजली के लिए सर्वव्यापी पहुँच की लक्ष्य प्राप्ति हेतु उत्पत्ति; संचारण तथा वितरण क्षमता में काफी अधिक परिवर्द्धन अपेक्षित होंगे।

"भारत निरन्तर अत्याधिक पॉवर अल्पता का सामना कर रहा है जिसे अर्थव्यवस्था को भारी हानि होती है। इससे उद्योग तथा वाणिज्य का विकास अवरूद्ध होता है, व्यापार करने की लागत में वृद्धि व उत्पादकता में कमी आती है।" माइकल कार्टर, भारत के लिए विश्व बैंक के राष्ट्र निदेशक ने कहा।

"सुधार की कार्यसूची जटिल है, जबकि प्रगति मिश्रित है, यह परियोजना देशभर में बिजली संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करेगी।

परियोजना से कम उर्जा वाले क्षेत्रों में संचारण प्रणाली की सुदृढ़ता से पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इण्डिया के सेवा प्रेषण में सुधार तथा अन्त: क्षेत्रीय संचारण क्षमता में वृद्धि: सुलभ पहुँच के क्रियान्वयन एवं अन्त: क्षेत्रीय व्यापार की सुविधा की सांस्थानिक क्षमता विकास में सुधार होगा।

"उत्पत्ति स्टेशनों तथा लोड केन्द्रों में अधिक दूरी से देश भर में उर्जा (पॉवर) स्थानांतरण अनिवार्य हो जाता है तथा अत: सुदृढ़ संचारण नेटवर्क स्थापित होता है," सुनील खोसला, विश्व बैंक के वरिष्ठ एनर्जी विशेषज्ञ तथा परियोजना के टॉस्क टीम लीडर ने कहा ।" यह परियोजना ग्रिड समाकलन के स्तर में सुधार तथा संचारण ग्रिड समाकलन के स्तर में सुधार तथा संचारण नेटवर्क सुदृढ़ करने में सहायता करेगी"।

क्षेत्रों के बीच पॉवर विनियम में वृद्धि को परियोजना के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में निष्पादन आंकने के लिए मुख्य संकेतक रूप में प्रयुक्त किया जाएगा ।

बैंक, भारत में संचारण क्षेत्र के सुधार में तथा विशेषकर पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन आफ इण्डिया के सृजन तथा विकास में सक्रिय रूप से शामिल है। पिछले दशक में, बैंक ने भारत में केन्द्र सरकार की इकाइयों को उत्पत्ति, संचारण तथा नवीकरणीय निवेशों के लिए, तथा क्षेत्रीय सुधार से संबद्ध निवेशों के लिए चुनिंदा राज्य इलैक्ट्रीसिटी बोर्डों (एस०ई०बी०) को सहायता प्रदान की है।

विश्व बैंक के ऋण - सहायक, इन्टरनेशनल बैंक आफ री-कन्सट्रक्शन एण्ड डेवलपमेन्ट (आइ०बी०आर०डी०) से ऋण, पाँच वर्ष की रियायत अवधि सहित, 20 वर्ष की परिपक्वता का परिवर्तनशील-विस्तृत ऋण है।

भारत में विश्व बैंक की गतिविधियों के विषय में अधिक जानकारी के लिए, देखें: www.worldbank.org/in

परियोजना सूचना के लिए, देखें:

http://www.worldbank.org.in/external/default/main?pagePK=64027221
&piPK=64027220&theSitePK=295584&menuPK=295617&Projectid=Po86414